



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 15 अगस्त, 2026

जारी करने का समय: 1305 घंटे

विषय: (i) दक्षिण-पूर्वी झारखंड और आस-पास के इलाकों में कम दबाव क्षेत्र बनने के कारण, अगले 4 दिनों के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल, उत्तरी ओडिशा और झारखंड में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 17 अगस्त, 2026 को कुछ जगहों पर बहुत ज्यादा भारी बारिश हो सकती है।

(ii) सप्ताह के ज्यादातर दिनों में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

आज, 15 अगस्त, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान, ओडिशा, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, असम, मिजोरम, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र और तमिलनाडु में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ औसत समुद्र तल पर मॉनसून गर्त का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति के उत्तर में और पूर्वी सिरा अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में है।
- ❖ झारखंड और उससे सटे गंगीय पश्चिम बंगाल के ऊपर बना कल का अवदाब, 14 अगस्त 2026 को शाम 5:30 बजे (IST) उसी इलाके में एक सुस्पष्ट दबाव क्षेत्र में बदल गया और कमजोर पड़ गया। इसके बाद यह और कमजोर होकर एक कम दबाव क्षेत्र बन गया और आज, 15 अगस्त 2026 को सुबह 5:30 बजे (IST) दक्षिण-पूर्वी झारखंड और उसके आस-पास के इलाकों में बना हुआ था। आज, 15 अगस्त 2026 को सुबह 8:30 बजे (IST) भी यह दक्षिण-पूर्वी झारखंड और उसके आस-पास के इलाकों में ही बना हुआ था। अगले 12 घंटों के दौरान इसके कमजोर पड़ने की संभावना है।
- ❖ मध्य क्षोभ मंडलीय स्तर पर उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर हवा के ऊपरी स्तर का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इसके असर से, अगले 48 घंटों के दौरान उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।
- ❖ मध्य क्षोभ मंडलीय स्तर पर मध्य और उससे सटे उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत में लगभग 22°N अक्षांश के साथ एक अपरूपण क्षेत्र बना हुआ है।
- ❖ निचले क्षोभ मंडलीय स्तर पर दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान और उसके आस-पास के इलाकों में हवा के ऊपरी स्तर का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले क्षोभ मंडलीय स्तर पर मध्य असम के ऊपर हवा के ऊपरी स्तर का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 15 से 21 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और उत्तराखंड में काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 15 और 18 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 16-17 अगस्त के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 16-21 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 15-21 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; और 15 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 15-16 अगस्त और 18-19 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 15-16 अगस्त और 19-21 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 18-21 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; 15 अगस्त और 17-18 अगस्त के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 15 और 18 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 15 और 18-19 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 15 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 17 अगस्त को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 17-18 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 15-17 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; और 16-17 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 15-21 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 15-18 अगस्त के दौरान विदर्भ में काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ मध्य भारत में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 15-17 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में 15-19 अगस्त के दौरान; विदर्भ में 15 अगस्त को।

पूर्वी भारत:

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 15-21 अगस्त के दौरान; बिहार में 17-20 अगस्त के दौरान काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी भारत में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ बिहार में 15-19 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 17-21 अगस्त के दौरान; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 15 अगस्त और 17-18 अगस्त के दौरान; झारखंड में 15-16 अगस्त के दौरान; बिहार में 17-20 अगस्त के दौरान; ओडिशा में 15 अगस्त और 19-21 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 16 अगस्त को; झारखंड में 17-18 अगस्त के दौरान; ओडिशा में 16-18 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 17 अगस्त, 2026 को उत्तरी ओडिशा और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 15 अगस्त को ओडिशा और 17 अगस्त को बिहार में मध्यम से लेकर तेज़ बिजली गिरने की गतिविधि होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 15-21 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय में 17-21 अगस्त के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 16-21 अगस्त के दौरान काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।

- ❖ असम और मेघालय में 15-16 अगस्त के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 15 अगस्त को कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में 15-19 अगस्त के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 15-18 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 18-21 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय में 15-16 अगस्त और 18-21 अगस्त के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 15-21 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही अरुणाचल प्रदेश में 15-17 अगस्त के दौरान और असम व मेघालय में 17 अगस्त को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ कोंकण और गोवा में 15-21 अगस्त के दौरान; गुजरात क्षेत्र में 15-16 अगस्त के दौरान काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र व कच्छ में 15-21 अगस्त के दौरान; गुजरात क्षेत्र में 17-21 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ गुजरात क्षेत्र में 15-16 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ कोंकण और गोवा में 15-17 अगस्त के दौरान; मध्य महाराष्ट्र में 15-18 अगस्त के दौरान; गुजरात क्षेत्र में 15-16 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा तेलंगाना में 15-21 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है। लक्षद्वीप में 17-18 अगस्त के दौरान।
- ❖ 15-21 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक और केरल व माहे में; 15-16 अगस्त और 19-21 अगस्त के दौरान लक्षद्वीप में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 15-19 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 15-16 अगस्त के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश, बिजली चमकने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झाँके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; 15-16 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झाँके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; 15-17 अगस्त के दौरान तेलंगाना में।
- ❖ 18-20 अगस्त के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 15-16 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 15-19 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में; 15-17 अगस्त के दौरान तेलंगाना में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: सोमालिया और ओमान तट के साथ और उससे दूर, पश्चिमी-मध्य अरब सागर के अधिकांश हिस्सों और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में (जो उत्तर और पूर्वी-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों से सटे हैं) 20 अगस्त तक; गुजरात तट के साथ और उससे दूर (जो उत्तर-पूर्व और पूर्वी-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों से सटे हैं) 16 से 18 अगस्त के दौरान।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: कोमोरिन क्षेत्र और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में (जो दक्षिण श्रीलंका तट से सटे हैं) 20 अगस्त तक। 15 से 19 अगस्त के दौरान पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बांग्लादेश के तटों के पास और बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व के कुछ हिस्सों में; 15 से 17 अगस्त के दौरान उत्तरी आंध्र प्रदेश के तट के पास और बंगाल की

खाड़ी के मध्य हिस्से में; और 17 अगस्त को उत्तरी आंध्र प्रदेश के तट के पास और बंगाल की खाड़ी के मध्य हिस्से में; साथ ही 15 से 18 अगस्त के दौरान अंडमान सागर के ऊपर।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

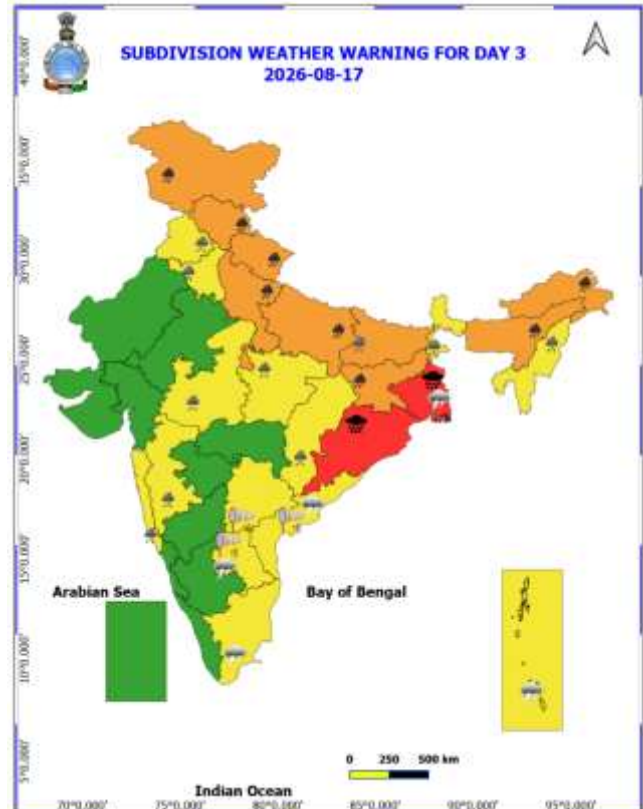
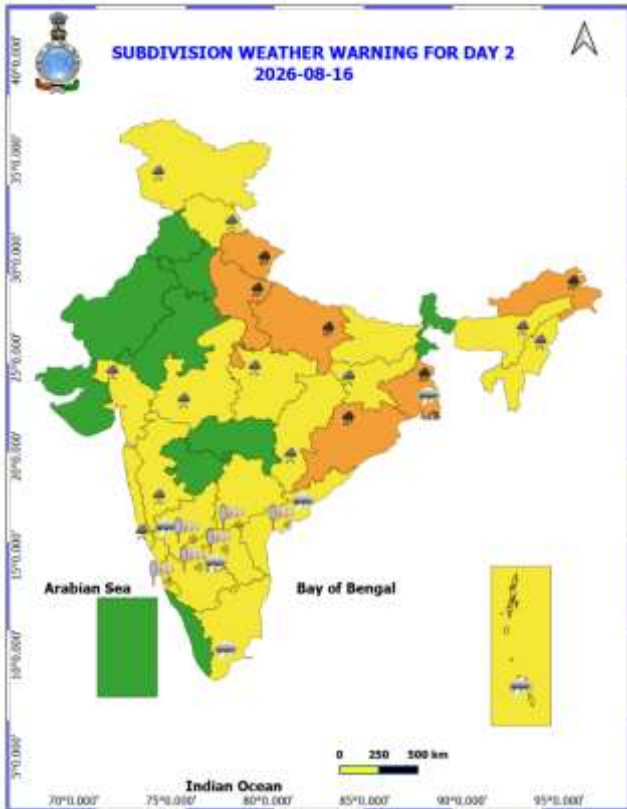
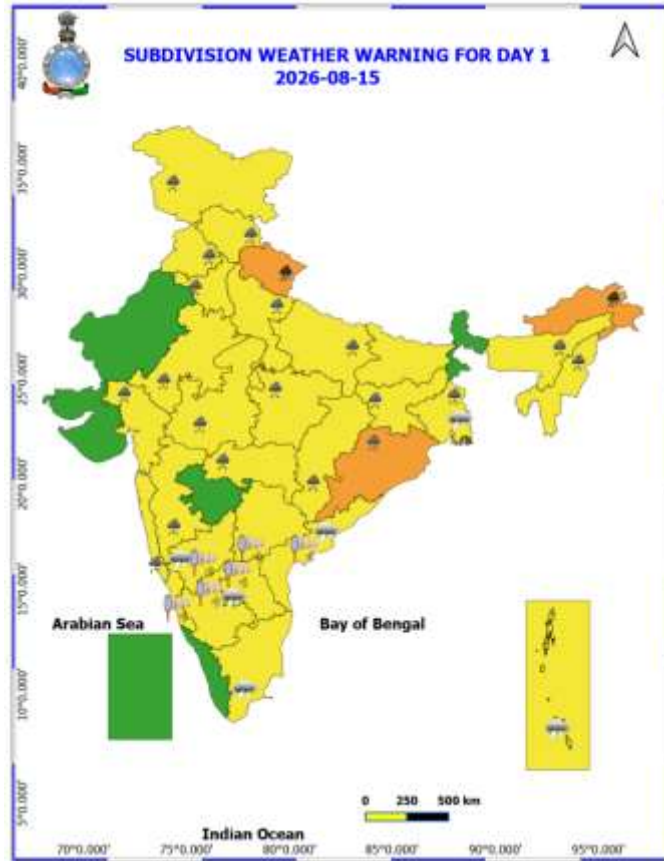
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

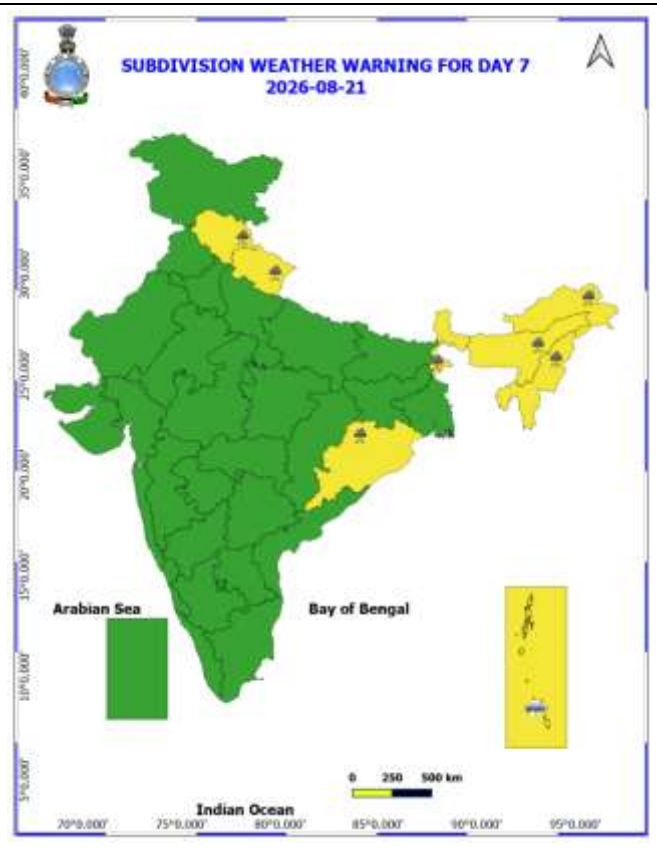
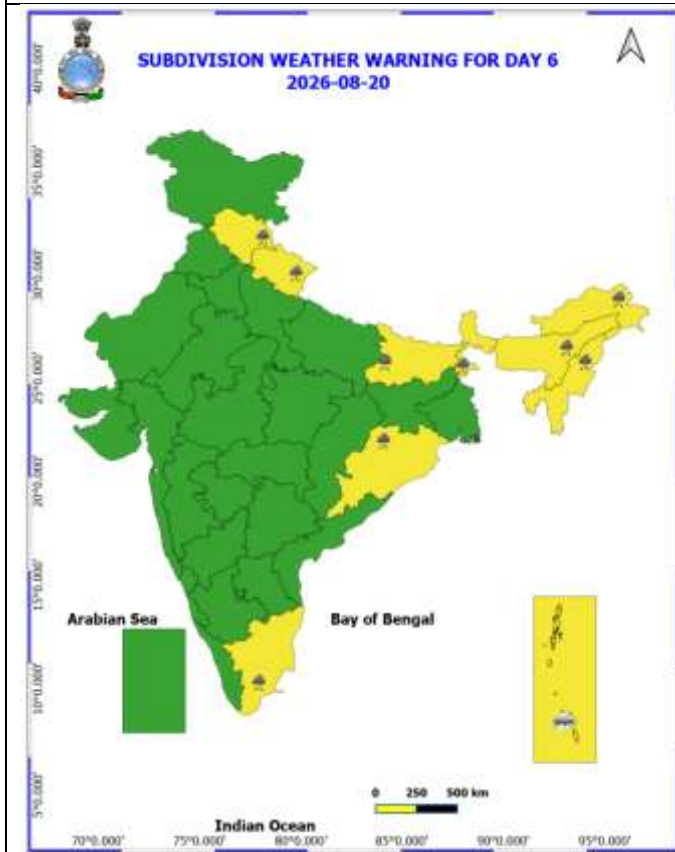
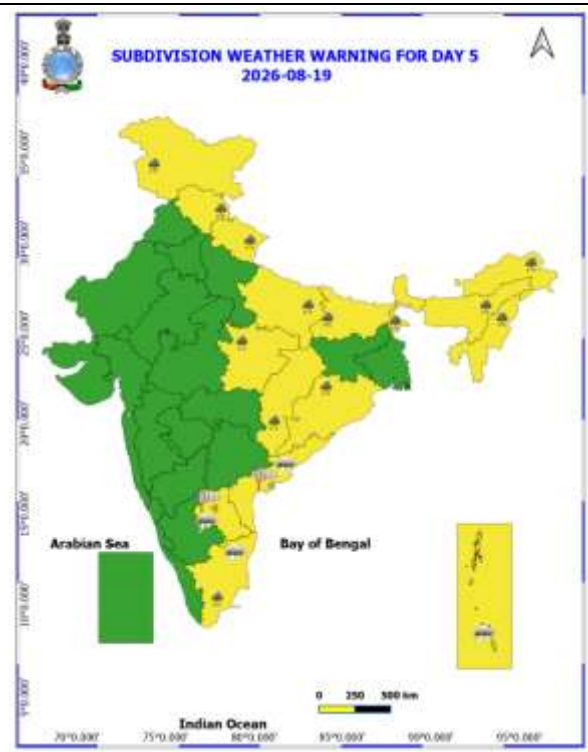
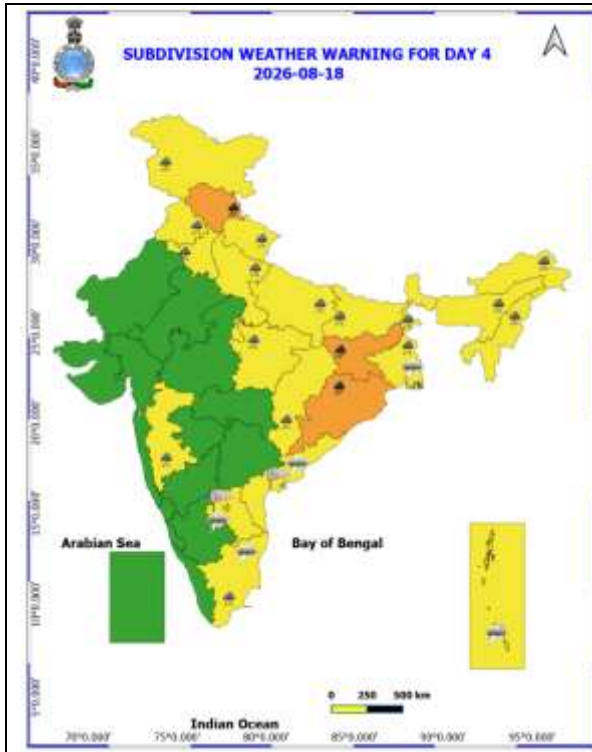
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ पूर्वी राजस्थान: बाड़ी (धौलपुर) 14
- ❖ हिमाचल प्रदेश: गुलेर (जिला कांगड़ा)-13
- ❖ उत्तराखंड: शमा और तेजम 13-13
- ❖ ओडिशा: कंकदाहाड़ 13
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: हल्दिया 12
- ❖ छत्तीसगढ़: मनेन्द्रगढ़ 12
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बहेरी (जिला बरेली) 11, राठ (जिला हमीरपुर) 9
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: रामनगर (जिला- मैहर) 11
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: तमिनी मुलशी (पुणे) 9
- ❖ हरियाणा: मडलूडा रेव (जिला पानीपत) 8
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: दतिया 8
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: कर्वी (जिला चित्रकोट) 8
- ❖ झारखंड: बोलबा 8
- ❖ तमिलनाडु: कोयंबटूर 9
- ❖ असम: घरमुरा 7
- ❖ गुजरात क्षेत्र: बालासिनोर (महिसागर) 7
- ❖ मिजोरम: लेंगपुई 7।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	15- Aug	16- Aug	17- Aug	18- Aug	19- Aug	20- Aug	21- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS
9	BIHAR	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT
14	PUNJAB	FWS	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	ISOL	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	ISOL	FWS	SCT	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

15 अगस्त से 18 अगस्त 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में $5-6^{\circ}\text{C}$ की गिरावट आई है और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान $30-31^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $23-26^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आम तौर पर बादल छाए रहे और ज़मीन पर हवा की गति पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा रही। आज सुबह के समय इस इलाके में उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने और आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

15.08.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच लगभग 3 मिमी बहुत हल्की बारिश होने की 60 प्रतिशत संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान $32-34^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास और कुछ जगहों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है और दोपहर के समय हवा की गति 15 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

16.08.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक या दो दौर हो सकता है। शाम से रात के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक और दौर हो सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर पश्चिम दिशा से 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

17.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच बहुत हल्की से हल्की बारिश की एक या दो बार संभावना है। शाम से रात के समय भी बहुत हल्की से हल्की बारिश की एक और संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 25 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर पश्चिम दिशा से 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

18.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच बहुत हल्की से हल्की बारिश की एक या दो बार संभावना है। शाम से रात के समय भी बहुत हल्की से हल्की बारिश की एक और संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.1°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 10 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 20 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 17 अगस्त, 2026 को उत्तरी ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 15 अगस्त को ओडिशा में और 17 अगस्त को बिहार में मध्यम से लेकर तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, सोयाबीन और रागी (फिंगर मिलेट) के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने और जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। प्रभावित फसलों से कीचड़ और मलबे को हटा दें और सब्जियों के खेतों व बागों में जल निकासी बनाए रखें। जहाँ संभव हो, तैयार खीरे, लौकी और अन्य कद्दू-वर्गीय सब्जियों की कटाई करें और बेलों व केले के पौधों को गिरने से बचाने के लिए मज़बूत सहारा दें।
- ❖ उत्तराखंड में, धान, सोयाबीन, मक्का, अरहर, अदरक, लहसुन, झंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट), रागी, टमाटर और अन्य खड़ी फसलों के खेतों में उचित और प्रभावी जल निकासी बनाए रखें। धान की रोपाई केवल तभी करें जब खेत की स्थिति अनुकूल हो और मूंगफली, सोयाबीन व मक्का की बुवाई तब तक टाल दें जब तक स्थिति सही न हो जाए। तैयार टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई करें और उपज को सुरक्षित व सूखी जगह पर रखें।
- ❖ ओडिशा में, खरीफ धान, मक्का, दालों, कपास, अरहर, केले, सब्जियों के खेतों और नर्सरी बेड से अतिरिक्त पानी की लगातार और प्रभावी निकासी सुनिश्चित करें। खेतों की नालियों, आउटलेट और मेड़ों को साफ और चालू हालत में रखें। जलभराव वाले क्षेत्रों में मक्का और मूंग की बुवाई/पुनः बुवाई टाल दें और बाजरे के खेतों में पानी जमा न होने दें। सब्जियों की नर्सरी को पॉलीथीन शीट से सुरक्षित करें और सब्जियों को सहारा दें; केले, पपीते और बागवानी के युवा पौधों को भी सहारा दें। रोपाई किए गए धान के खेतों में आपातकालीन आउटलेट बनाए रखें ताकि पौधे लंबे समय तक पानी में डूबे न रहें।
- ❖ गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, रोपाई किए गए अमन धान, जूट, धान की नर्सरी और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और निचले इलाकों से अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें। जल निकासी की नालियों को साफ रखें और बाढ़ से बचाने के लिए धान की नर्सरी के चारों ओर मेड़ों को मज़बूत करें। खेत की स्थिति में सुधार होने तक उर्वरक और कीटनाशक का प्रयोग टाल दें। जहाँ खेत की स्थिति अनुकूल हो, वहाँ तैयार फसलों, चाय की पत्तियों और सब्जियों की कटाई करें और उपज को सुरक्षित व सूखी जगह पर रखें।

- ❖ झारखंड में, फसलों के खेतों से अतिरिक्त पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें और गीली स्थिति में उर्वरक व कीटनाशक का प्रयोग टाल दें।
- ❖ असम में, धान, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, जूट, तिल और सब्जियों के खेतों व बागों में उचित जल निकासी बनाए रखें और खेतों की नालियों को साफ रखें। निचले खेतों से अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें और गन्ने के खेतों में पानी जमा न होने दें। धान की रोपाई केवल तभी करें जब खेत की स्थिति अनुकूल हो और जलभराव वाले खेतों में तिल, मूंग और उड़द की बुवाई टाल दें।
- ❖ मेघालय में, धान की नर्सरी बेड और मक्का, लोबिया, भिंडी व अदरक के खेतों में लगातार जल निकासी बनाए रखें और जल निकासी की नालियों में कोई रुकावट न आने दें। नर्सरी की मेड़ों को मजबूत करें ताकि पानी बहने और पौधों के बह जाने से बचा जा सके और फसल की जड़ों के पास पानी जमा न हो। लोबिया (cowpea) को सहारा दें (staking या trellising) और दूसरी नाजुक बागवानी फसलों को भी सहारा दें ताकि वे गिरें नहीं।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम करें और धान, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा न होने दें।
- ❖ जम्मू-कश्मीर में, मक्का, मूंग, उड़द और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम करें ताकि जलभराव न हो। रोपाई किए गए धान में सिंचाई अभी न करें। जल्दी बोई गई मक्का की फसल की पकी हुई भुट्टों की कटाई करें और उपज को सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में, धान, मक्का, रागी (फिंगर मिलेट), टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च और मिर्च की फसलों में पानी की निकासी का सही इंतजाम करें। जहां संभव हो, मटर की फलियों और सब्जियों (टमाटर, शिमला मिर्च, बैंगन आदि) की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ उत्तर प्रदेश में, अरहर, मक्का, मूंगफली, तिल, धान, सब्जियों और अन्य खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए सही निकासी व्यवस्था करें, खासकर निचले इलाकों में जहां पानी जमा होने का खतरा रहता है।
- ❖ हरियाणा में, खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम करें ताकि जलभराव न हो और खेतों व बागों से अतिरिक्त बारिश का पानी तुरंत निकाल दें।
- ❖ पंजाब में, गन्ने के खेत में पानी की निकासी का सही इंतजाम करें ताकि पानी जमा न हो। भारी बारिश के बाद अगर मक्का के खेतों में पानी जमा हो जाए, तो अतिरिक्त पानी निकाल दें ताकि पौधों को बैक्टीरियल स्टक रॉट (bacterial stalk rot) से बचाया जा सके।
- ❖ मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, मक्का, अरहर, उड़द, मूंग, तिल, ज्वार और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम करें ताकि जलभराव न हो।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, धान, सोयाबीन, मक्का, अरहर, उड़द, मूंग, छोटे मोटे अनाज (minor millets) और सब्जियों के खेतों में लगातार और प्रभावी जल निकासी की व्यवस्था करें, खासकर निचले इलाकों में। खेतों की मेड़ों और जल निकासी नालियों को मजबूत करें और जब तक खेत की स्थिति ठीक न हो जाए, तब तक खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें।
- ❖ कोंकण और गोवा में, धान, रागी, हल्दी, मूंगफली, सब्जियों के खेतों और बागों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए सही निकासी व्यवस्था करें ताकि पानी जमा न हो।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र के घाट इलाकों में, धान, रागी और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकाल दें। जब तक खेत की स्थिति ठीक न हो जाए, तब तक खेती-बाड़ी से जुड़े काम, खाद डालना और पौधों की सुरक्षा के उपाय टाल दें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

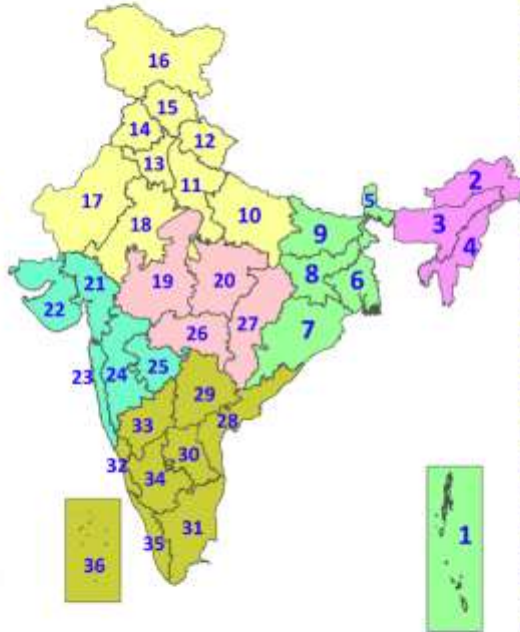
- ❖ काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मजबूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- ❖ बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm * Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm * Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions (a) Based on Departure from normal Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C . Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$ (b). Based on Actual maximum temperature Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$. Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$ (c). Criteria for heat wave for coastal stations When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$
Warm Night	When maximum temperature remains 40°C Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C . Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.
Cold Wave	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions. (a). Based on departure Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C . Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$ (b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only) Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$ Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$ (c) For Coastal Stations When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$
Cold Day	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions Based on departure Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C . Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
Fog	Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$ Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres Dense Fog: when the visibility between 50-200 metres Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)
Dust/Sand Storm	An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.
Frost	Ice deposits on ground Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)
Squall	A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute. Moderate: Wind speed 52-61 kmph Severe: Wind speed 62-87 kmph Very Severe: Wind speed > 87 kmph
Sea State	Effect of various waves in the sea over specific area Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre
Cyclone	Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)